Seventeenth Loksabha

an>

Title : Need to increase the number of beds for Kidney related diseases in AIIMS, Delhi.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलिपुत्र): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि आपने एक जनहित के मामले को उठाने की अनुमति प्रदान की है । मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । दिल्ली में जो एम्स है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण संस्थान है । वहां देश के विभिन्न इलाकों से लोग आते हैं, खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार से बहुत लोग आते हैं । एम्स में एक छत के नीचे सारी व्यवस्थाएं हैं । वहां डिपार्टमेंट के माध्यम से हर रोगों का इलाज होता है तथा किडनी जैसे महत्वपूर्ण रोग का इलाज होता है । वर्ष 1989 में किडनी की यूनिट शुरू हुई, लेकिन बेड और ऑपरेशन की व्यवस्था आज तक वही है । आपको पता है कि विगत वर्षों में जिस तरह से शुगर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसी तरह से शुगर के मरीज को किडनी की बीमारी ज्यादा बढ़ रही है । मैं समझता हूं कि वहां बेड की जो उपलब्धता है, वह नाकाफी है । वहां लम्बे अर्से से किडनी के इलाज के लिए बेड की संख्या नहीं बढ़ पाई है । अब 450 ऐसे लोग हैं, जिनकी डायलिसिस तो हो चुकी है, मगर किडनी का प्रत्यारोपण नहीं हो रहा है । वहां खास तौर पर हमारे बिहार से बहुत गरीब लोग आते हैं । किडनी का प्रत्यारोपण न होने की वजह से …(व्यवधान) मैं अपनी बात अभी कंक्लूड कर रहा हूं ।

माननीय अध्यक्ष: आप कंक्लूड पहले किया कीजिए, बाद में भाषण दिया कीजिए ।

श्री राम कृपाल यादव: सर, आपकी कृपा के बगैर मैं इस बात को नहीं रख सकता हूं । मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वर्ष 1989 के बाद संख्या आपने नहीं बढ़ाई है । संस्थान और एम्स के डाक्टरों ने वहां के डायरेक्टर और सेक्रेटरी को लिखा है कि आप बेड की संख्या बढ़ाइए,

ताकि हम जल्दी से जल्दी से ऑपरेशन कर सकें और जो किडनी की बीमारी से पीड़ित लोग हैं, उनकी जान बचाई जा सके । प्राइवेट संस्थान में जाने पर 30 गुना अधिक पैसा देना पड़ता है, जिसे गरीब लोग अफोर्ड नहीं कर सकते हैं ।

माननीय अध्यक्ष :

श्री कुलदीप राय शर्मा,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को श्री राम कृपाल यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।